# डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

दिनांक : 09.06.2017

## प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

### प्लानिंग बोर्ड की बैठक में कुलपति ने खींचा विश्वविद्यालय विकास का खाका

विश्वविद्यालय प्लानिंग बोर्ड की बैठक में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने विश्वविद्यालय के छात्रावासों को लेकर शैक्षणिक विभागों प्रशासनिक प्रखंड तथा परिसर की साज सज्जा से जुडे तमाम बिन्दुओ पर बोर्ड के सदस्यों के साथ चर्चा कर आगामी कुछ वर्षो में विश्वविद्यालय परिसर में किए जाने वाले विकास कार्यों की दिशा तय कर दी।

लगभग ढाई घंटे तक चली विश्वविद्यालय प्लानिंग बोर्ड की मैराथन बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय की सम्पूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था के साथ–साथ प्रवेश एवं मूल्यांकन की सम्पूर्ण प्रक्रिया तथा पुस्तकालय संबंधी समस्त व्यवस्था पूर्णतः आनलाइन की जाए। इस संदर्भ में यह तय हुआ कि सरकारी एजेन्सियों के साथ–साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एजेन्सियों को भी आटोमेशन की इस व्यवस्था के संदर्भ में प्रस्तुतीकरण के लिए विश्वविद्यालय आमंत्रित किया जाए।

बैठक में विश्वविद्यालय के पुराने संत कबीर सभागार के जीर्णोद्वार एवं अपग्रेडेशन का कार्य शीध्र ही संपादित कराये जाने का निर्णय लिया गया। विस्तृत चर्चा के उपरांत सत्रारंभ तक विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक विभागों में फर्नीचरों की अनुलब्धता को दूर किए जाने का भी निर्णय लिया गया।

प्लानिंग बोर्ड में गत लगभग 10 वर्षो से विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन को छोड़कर शैक्षणिक भवनों एवं आवासीय परिसर मे पुताई एवं रिपेयरिंग का कार्य न कराए जाने पर भी चर्चा हुई तथा चर्चा के उपरांत बोर्ड ने इस संबंध में तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश जारी किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के आई0ई0टी9 परिसर में निर्माणाधीन इन्टरनेशनल गेस्ट हाउस की परियोजना को अपग्रेड करते हुए इसमें ग्रिड ट्राइप सोलर पावर प्लांट तथा रेन वाटर हार्वेसटिंग के साथ–साथ गेस्ट हाउस में 100 व्यक्तियों की क्षमता का आधुनिक सुविधायुक्त सेमिनार हाल भर बनाये जाने का निर्णय लिया गया। बोर्ड ने विश्वविद्यालय के समस्त भवनों में एल0ई0डी0 लाठट के प्रयोग के साथ–साथ दिव्यांगजनों के लिए रैम्प तथा पृथक शौचालय बनाए जाने के लिए भी निर्देश जारी किया। साथ ही परिसर के प्रत्येक भवन में पृथक महिला शौचालय का निर्माण किए जाने के लिए भी प्लानिंग बोर्ड की बैठक में निर्णय लिया गया।

प्लानिंग बोर्ड ने परिसर को पूर्णतया सुरक्षित करने के उददेश्य से यह भी निर्णय लिया कि परिसर के प्रत्येक भवन सहित समस्त प्रवेश द्वार एवं महत्वपूर्ण स्थलों को सी0सी0टी0वी0 कैमरे की निगरानी में रखा जाए। बोर्ड की बैठक में विश्वविद्यालय में अधूरी पडी निर्माण परियाजनाओं के संबंध मे भी चर्चा हुई। चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया कि ऐसी समस्त परियोजनाओं की स्टेटस रिपोर्ट प्राप्त करके संबंधित एजेन्सियेां को ब्लैक लिस्ट किया जाए तथा इन परियसेजनाओं को समेकित रुप से किसी दूसरी एजेन्सी को देकर पूरा कराया जाए।

प्लाानिंग बोर्ड की बैठक से इतर आज कुलपति जी ने हाउस एलाटमेंट कमेटी की बैठक कर के विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में वर्षो से खाली पडे रियायशी मकानों का एलाटमेंट परिसर के शिक्षको एवं कर्मचारियों को कर दिया।

मीडिया प्रभारी

# डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0, फैजाबाद

**दिनांक : 09.06.2017**

## प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ)

**<u>परिसर में पालीथीन एवं तम्बाकू उत्पाद निषिद्व : कुलपति स्वयं नेतृत्व करेंगे इस अभियान का</u>**

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित के पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत लिए गए एक अभिनव निर्णय के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में तत्काल प्रभाव से पालीथीन एवं तम्बाकू उत्पादों का प्रयोग निषिद्व कर दिया गया है। कुलसचिव एस0एल0 पाल ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि उक्त उत्पादों का प्रयोग करते हुए पकडे जाने पर तत्काल रु0 500/– का जुर्माना वसूला जाएगा।

ततसम्बन्ध में कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने कहा कि वह स्वयं अगले सप्ताह छात्रों के साथ इस अभियान का नेत्त्व करते हुए परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों के साथ–साथ आने वाले आगुन्तकों को भी जागरुक करेंगे। कुलपति ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत पालीथीन का प्रयोग हमारे समाज को और विशेषकर युवा पीढी को तत्काल रोकना चाहिए। इसी प्रकार प्रतिवर्ष तम्बाकू उत्पादों के प्रयोग से लाखों जानें जाती है। यह दोनो ही उत्पाद तात्कालिक सुख तो देते हैं किन्तु कालान्तर में इनसे संबधित परिणाम अत्यंत धातक होते हैं। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उददेश्य सिर्फ किताबी ज्ञान देना नही है बल्कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवा वर्ग के माध्यम से समाज को उचित दिशा का बोध कराना भी विश्वविद्यालय का नैतिक दायित्व है। कुलपति ने कहा कि इस संदर्भ में यह अभियान मात्र एक पहल है।

मीडिया प्रभारी